सक्सेस मिरर

वर्ष : 6
अंक : 64
मई : 2015

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

7 | उजला पक्ष देखो
8 | समसामयिकी घटना संग्रह
9 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

20 | आर्थिक घटना संग्रह

- भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की
- राइड शेयर और अनबॉक्सिंग शब्दों को ऑक्सफोर्ड शब्दकोष में जोड़ा गया
- मध्य प्रदेश के वित्त मंत्री जयंत मलैया ने प्रदेश का बजट 2015–16 विधान सभा में प्रस्तुत किया

25 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- असम विधान सभा में राज्य के विशेष श्रेणी दर्जे को बरकरार रखने पर प्रस्ताव पारित
- कोलकाता नगर निगम ने देश के पहले लेखागार अमल होम डिजिटल ऑरकाइव की शुरूआत की
- हिंदू धर्म में वापसी पर मिल सकता है अनुसूचित जाति का दर्जा : सुप्रीम कोर्ट

29 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भारत–मॉरिशस ने द्विपक्षीय सम्बन्धों के लिए पाँच समझौतों पर किए हस्ताक्षर
- श्रीलंका ने चीन के कोलम्बो पोर्ट सिटी परियोजना पर अस्थायी रोक लगाई
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंटरनेट पर 30 सबसे प्रभावशाली लोगों में शामिल : टाइम पत्रिका

31 | खेल खिलाड़ी

- सानिया मिर्जा और हिंगिस ने इंडियन वेल्स ओपन टेनिस टूर्नामेंट 2015 के महिला युगल का खिताब जीता
- एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता डिंग्को सिंह राष्ट्रीय मुक्केबाजी चयन पैनल में शामिल

35 | विज्ञान समाचार

36 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

38 | कैरियर लेख– कर्म द्वारा ही जिन्दगी आपकी एवं सफलता भी
123 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
124 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक 61 का परिणाम
125 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

44 आर.आर.सी. (सिकन्दराबाद) ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2014
86 आर.आर.सी. (गोरखपुर) ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2014
92 दिल्ली पुलिस (सिक्योरिटी कमाण्डो) परीक्षा, 2014
99 आगामी वायु सेना (ग्रुप–Y) भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
एस.एस. सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी लेवल (10+2) परीक्षा, 2014
101 सामान्य बुद्धिमत्ता
105 English Language
107 संख्यात्मक अभिरुचि
113 सामान्य जानकारी
116 दिल्ली पोस्टमैन परीक्षा, 2014

➲ सम्पादक : महेन्द्र जैन
➲ रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ सम्पादकीय ऑफिस
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330, 4031570
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in
➲ दिल्ली ऑफिस
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66
➲ हैदराबाद ऑफिस
1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स
बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद–500 044
फोन– 040-66753330
मो– 09391487283
➲ पटना ऑफिस
पीरमोहनी चौक, कदमकुआँ
पटना–800 003
फोन–0612-2673340
मो–09334137572
➲ कोलकाता ऑफिस
28, चौधरी लेन, श्याम बाजार
कोलकाता– 700 004
फोन– 033-25551510
मो– 07439359515
➲ लखनऊ ऑफिस
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्भव है आपके जीवन में कई सारे ऐसे कारण हो सकते हैं, जो आपकी इष्ट प्राप्ति में बाधक बन रहे हों. आपको अपने लिए परेशानी का सबब लग रहे हों. वे आपमें दुःख, पीड़ा व तनाव पैदा करते हों. आपकी अपेक्षाओं को भंग करते हों. आपको स्वतन्त्रता से जीने नहीं देते हों, फिर भी अगर आप सन्तुलित जीवन व्यतीत कर पाते हैं, तो निश्चित ही आप धन्य हो. दिन के उजाले में श्रम करना इतना दुष्कर नहीं है, जितना कि रात्रि के तमस् में. जब सब जाग रहे हों तब जागना आसान है, किन्तु जब सब सो रहे हों तब जागना निश्चित ही मुश्किल है. किन्तु जिसे हर हाल में जागना ही इष्ट है, हर हाल में जिसे जीत ही चाहिए, वह अंधेरे में भी उजाला देखे. अपने आपको उजले पक्ष देखने का अभ्यस्त बनाएं. माना कि दृढ़ मनोबल के बिना, सम्यक् सोच के बिना ऐसा सम्भव नहीं है, किन्तु सम्यक् सोच अपनाना या नहीं अपनाना. यह तो किसी हद तक इंसान के अपने ही वश में है. यदि हम अपने जीवन को विराट रूप में देख पाएं, तो यह जीवन बहुत अद्भुत प्रतीत होगा. ऐसा अनुभव होगा कि इस अद्भुत प्रेम भरे जीवन में हम सब न जाने कितनी गलतियाँ प्रतिदिन करते हैं. फिर भी देखो अनन्त उपकार हैं हम पर, हमारे उस रहनुमा परवरदिगार का, उस परमात्मा का और हमारे ऊपर अनन्त उपकार हैं गुरु शक्तियों का, दिव्य शक्तियों का जो हर पल हमें नए अवसर देती हैं, नया-नया दिन देती हैं, नए-नए सहयोगी प्रदान करती हैं, किन्तु एक हम हैं कि अपनी ही जिद् में, अपने ही अहंकार में, अपने ही आक्रोश में आकर निरन्तर आक्रामक बने रहते हैं. कहीं-न-कहीं लड़ते-झगड़ते रहते हैं. बहुत सम्भव है कि हम बाहर की दुनिया में किसी और से झगड़ा न कर रहे हैं, किन्तु अपने ही भीतर, अपने ही मन के अन्दर कितने सारे ऐसे प्रकोष्ठ बना लेते हैं. जहाँ एक पक्ष दूसरे पक्ष से झगड़ा करता है. जहाँ रति और अरति के बीच में संग्राम चलता है. हम कभी तो किसी को पकड़ना चाहते हैं. कभी किसी को छोड़ने के लिए भाग रहे होते हैं. कभी किसी की प्रशंसा भीतर मन में चल रही है, तो कभी किसी के प्रति द्वेष का भाव भीतर मन में पनप रहा है अर्थात् हम निरन्तर अशान्त हैं, उबल रहे हैं, प्रतिक्रियाएं कर रहे हैं. इस दुनिया के लोगों से शिकायतें कर रहे हैं और प्रकृति की, गुरु शक्तियों की, दिव्य शक्तियों की निरन्तर हो रही कृपा, वर्षा को हम अनदेखा कर रहे हैं. हम जानबूझ कर अनजान बनते हैं, जबकि हम सब इस तथ्य से भलीभाँति परिचित हैं कि हम बिना गुरुओं की कृपा के, बिना उनके सहयोग के इस जीवन में शान्ति से नहीं जी सकते. हमें इतनी दिव्य कृपा मिल रही है. इतनी प्रकृति की कृपा मिल रही है. परमात्मा की मेहरबानी है हम पर. हमारे पास सब कुछ है.

Every Cloud Has a Silver Lining.